श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 159, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार, 14 जनवरी, 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

सरकार के साथ 15 जनवरी को होने वाली वार्ता में शामिल होंगे किसान

ट्रैक्टर परेड को लेकर 17 को बनेगी रणनीति

किसानों ने कहा है कि सरकार 15 जनवरी की बैठक में कानून निरस्त करने का अंतिम फैसला ले। किसानों ने कहा कि यदि इस बार भी टाल-मटोल हुआ तो आंदोलन तेज करेंगे। किसानों ने बुधवार को लोहड़ी के पर्व पर तीनों नए कृषि कानूनों की प्रतियां जलाई...

नई दिल्ली, जेएनएन। कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे किसानों ने बुधवार को साफ तौर पर कहा कि सरकार 15 जनवरी की बैठक में कानून निरस्त करने का अंतिम निर्णय ले, ताकि वे अपने घरों को लौटें। यदि इस बार भी टाल-मटोल हुआ तो आंदोलन तेज करेंगे। किसानों ने प्रदर्शन स्थल पर ही लोहड़ी का त्योहार मनाया। इस दौरान उन्होंने तीनों नए कृषि कानूनों की प्रतियां भी जलाई और मूंगफली व रेवड़ियां बांटीं।

48 दिन से दिल्ली की सीमा पर डटे किसान कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। कुंडली बार्डर पर किसान संयुक्त मोर्चा के सदस्यों ने बैठक की, जिसमें आंदोलन की रूपरेखा और अब तक के कामकाज की समीक्षा की गई। बैठक में तय हुआ कि 15 जनवरी को आहूत बैठक में किसान जाएंगे और सरकार से तीनों कानून रद करने पर सीधी वार्ता करेंगे। इसके बाद एमएसपी गारंटी की चर्चा की जाएगी।

संयुक्त मोर्चा ने तय किया है कि 26 जनवरी की ट्रैक्टर परेड कहां से कहां तक जाएगी, किस स्वरूप में होगी, राजपथ पर किसान जाएंगे या दिल्ली के चारों ओर परिक्रमा करेंगे, संसद भवन जाना है या नहीं, ट्रैक्टर परेड के रूट आदि को लेकर 17 जनवरी को बैठक की जाएगी। 18 जनवरी को महिला किसान दिवस व 23 को युवा किसान दिवस का आयोजन होगा। रेवड़ी व मूंगफली बांटी सिंघु बार्डर समेत तमाम धरना स्थलों पर किसानों को रेवड़ी व मूंगफली बांटी गई।

वहीं, बुराड़ी में किसानों ने उन प्रदर्शनकारियों को श्रद्धांजलि दी, जिनकी मौत प्रदर्शन के दौरान हो गई थी। इस दौरान उन्होंने दो मिनट का मौन भी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना संक्रमण व ठंड को देखते हुए किसानों को बच्चों व महिलाओं को घर भेजने को कहा था। लेकिन, बुधवार को भी काफी कम संख्या में लोग सिंघु बार्डर पर मौजूद रहे। किसानों के समर्थन में पंजाबी गायक बबू मान भी पहुंचे। कुंडली बार्डर पर हुई बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य योगेंद्र यादव, बलबीर सिंह राजेवाल, दर्शनपाल, भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव शमशेर दहिया समेत जत्थेबंदियों के सदस्य मौजूद रहे। किसान नेता दर्शनपाल सिंह ने कहा कि हमने तीन कृषि कानूनों की प्रतियां जलाकर सरकार को संदेश दिया है कि इसी तरह ये बिल एक दिन हमारे गुस्से की भेंट चढेंगे और सरकार को कानून वापस लेने पड़ेंगे। 18 तारीख को महिलाएं पूरे देश में बाजारों में, SDM दफ़्तरों, जिला मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन करेंगी।

भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने आंदोलन को और तेज करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कृषि कानून कैसे खत्म हो सरकार को इस पर काम करना चाहिए। सरकार ने 10 साल पुराने ट्रैक्टर पर बैन लगाया है तो हम 10 साल पुराने ट्रैक्टर को दिल्ली की सड़कों पर चला कर दिखाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन में यदि कोई देश विरोधी बातें कर रहा है तो सरकार उसे गिरफ़्तार करना चाहिए।

कृषि कानूनों की प्रतियां जला मना रहे लोहड़ी

वसंत की शुरूआत में उत्तर भारत में लोहड़ी का पर्व मनाया जाता है। इस मौके पर लोग लकड़ियां इकट्ठी करके जलाते हैं और सुख एवं समृद्धि की कामना करते हैं। किसान नेता मंजीत सिंह राय ने एलान किया है कि किसान सभी प्रदर्शन स्थलों पर 13 जनवरी की शाम को कृषि कानूनों की प्रतियां जलाकर लोहड़ी मनाएंगे। देश के अलग- अलग हिस्सों में किसानों ने कृषि कानूनों की प्रतियां जलानी शुरू कर दी हैं।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर वॉल्वो बस में लगी भीषण आग

60 यात्रियों ने खुद की बचाई जान

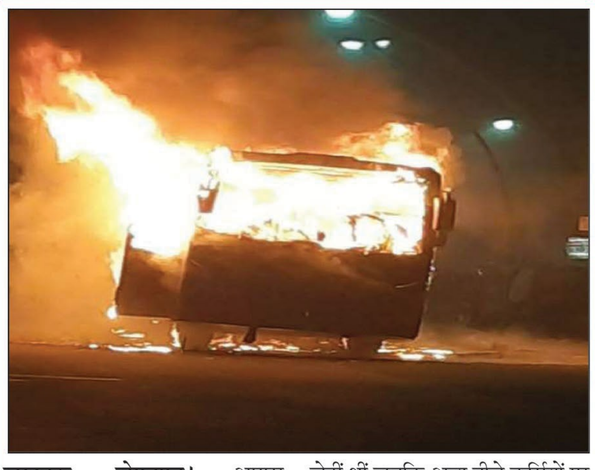

लखनऊ, जेएनएन। आगरा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार देर शाम एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल टल गया। तेज रफ्तार डबल-डेकर वॉल्वो बस का पिछला टायर फटने से एकाएक आग लग गई। घटना से बस में बैठी 50-60 सवारियों में भगदड़ मच गई। आनन-फानन सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दमकल कर्मियों ने दो गाड़ियों की मदद से आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

दरअसल, लखनऊ की ओर उतरते ही दिल्ली से बिहार जा रही तेज रफ्तार वॉल्वो बस का पिछला टायर तेज धमाके के साथ फट गया। हादसे एकाएक बस के पिछले हिस्से में आग लग गई। डबल-डेकर बस में कुछ सवारियां ऊपर स्लीपर कोच में लेटीं थीं जबकि अन्य नीचे कुर्सियों पर बैठी थीं। पीछे से आग की लपटें और धुंआ निकलता देख सब आनन-फानन अपना समान उठाकर बाहर की ओर भागने लगे। इस दौरान बस में धक्का-मुक्की भी हुई। आनन-फानन बस में बैठी 50-60 सवारियां सुरक्षित बाहर निकल आयीं। इस बीच आग ने भी विकराल रूप धारण कर लिया। पूरी बस धू-धूंकर कर जलने लगी। बीच सड़क बस को जलता देख एक रूट का यातायात रोक दिया गया। सूचना पर पुलिस और दमकल कर्मी पहुंचे। एफएसओ आलमबाग ने बताया कि दो दमकल की मदद से आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। सभी सुरक्षित हैं।

दूसरी बस से भेजी गई सवारियां

इंस्पेक्टर पारा राजेश कुमार ने बताया कि वॉल्वो बस में बैठी सवारियां सुरक्षित बाहर आ गई थीं। कोई हताहत नहीं हुआ है। वॉल्वो बस चालक ने अपने उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद दूसरी बस भेजी गई। दूसरी बस से सवारियों को बिहार के लिए रवाना किया गया। घटना से सवारियों में काफी दहशत थी।

धुआं निकलते देख भागे, थोड़ी देर हो जाती तो निकलती लाशें

बिहार के पटना निवासी राजेश ने बताया कि वह पीछे की सीट पर बैठे थे। गाड़ी तेज धमाके के साथ टायर फटा और गाड़ी अनियंत्रित होने लगी। तभी किसी तरह चालक ने गाड़ी को नियंत्रिति किया। तब तक टायर फटने से आग लग गई थी। धुआं और आग की लपटें निकलती देख सवारियों ने बाहर निकलना शुरू किया। सभी लोग दहशत में थे। किसी तरह सब सुरक्षित बाहर निकलें। इसके बाद दमकल पहुंची और कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

मकर संक्रांति के बाद से शुरू हो जाएगा नए संसद भवन का निर्माण

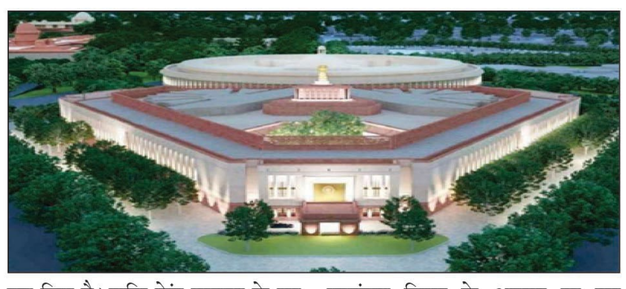

नई दिल्ली, प्रेट्र। मकर संक्रांति की रात ढलते ही शुभ मुहूर्त में 15 जनवरी से नए संसद भवन का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार केंद्रीय लोकनिर्माण विभाग ने टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड से 15 जनवरी से नई संसद भवन का निर्माण कार्य शुरू करने को कहा है। इसका कारण मकर संक्रांति के बाद कोई निर्माण कार्य शुरू करने के लिए शुभ मुहूर्त होना बताया गया है। नए संसद भवन के निर्माण का कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड करवा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि टाटा प्रोजेक्ट्स ने अपने साजोसामान को निर्माणस्थल पर पहुंचाना पहले ही शुरू कर दिया है। ताकि केंद्र सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को जल्द शुरू किया जा सके। विगत सोमवार को ही नए संसद भवन के निर्माण के लिए 14 सदस्यीय विरासत संरक्षण समिति ने अपनी मंजूरी दे दी थी। 971 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट को देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरा किया जाना है। इस पूरी परियोजना को पूरा करने के लिए केवल दस महीने का ही समय है। योजना के मुताबिक, राजपथ के पुनर्विकास का काम इस साल गणतंत्र दिवस की परेड के तुरंत बाद शुरू हो जाएगा। 94 साल पहले महज 83 लाख रुपये में बने मौजूदा संसद भवन को संग्रहालय बनाया जाएगा और उसके ठीक सामने नया संसद भवन बनेगा। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण के बाद यह देश की सत्ता का गलियारा बन जाएगा। इसमें एक नए तिकोने संसद भवन के साथ ही एक साझा केंद्रीय सचिवालय बनेगा। जबकि तीन किलोमीटर के दायरे में फैले राजपथ से लेकर इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन तक का क्षेत्र शामिल होगा। वर्ष 2022 में गणतंत्र दिवस की परेड नए राजपथ पर होगी। विस्टा में प्रधानमंत्री का नया आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ ही एक नया उप राष्ट्रपति एनक्लेव भी शामिल होगा।

छत्तीसगढ़ मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा, राज्य ब्यूरो। छत्तीसगढ़ में बुधवार की सुबह कटेकल्याण इलाके में हुई मुठभेड़ में डीआरजी व सीएएफ के जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया। मृतक की पहचान चिकपाल निवासी हिड़मा मुचाकी के रूप में हुई है। उस पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। वहीं दूसरी ओर दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण के चिकपाल-मारजूम इलाके में सर्चिंग के दौरान फोर्स ने नक्सलियों के लगाए पांच-पांच किलो के तीन बम बरामद किए हैं। इसे जमीन के अंदर छिपाकर रखा था। कटेकल्याण इलाके के चिकपाल व मारजूम के बीच बुधवार की सुबह सीएएफ (छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स) और डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग की। करीब 45 मिनट दोनों ओर से फायरिंग हुई। जवानों की जवाबी कार्रवाई में नक्सलियों की कटेकल्याण एरिया कमेटी का सदस्य हिड़मा मुचाकी मारा गया। मौके से एक देसी 9एमएम की पिस्टल व अन्य सामान बरामद हुआ है। एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि दो दिन पहले ग्राम नयानार के एक ग्रामीण को नक्सली अगवा कर जंगल में ले गए थे और मारपीट की थी। ग्रामीण को छुड़ाने के लिए जब फोर्स पहुंची तो नक्सली भाग खड़े हुए। इसके बाद इलाके की सर्चिंग की जा रही थी।

देश के कोने-कोने में पहुंची वैक्सीन, पहले दिन तीन लाख स्वास्थ्य कर्मियों को लगेगा टीका

देश में 16 जनवरी से कोरोना के खिलाफ शुरू होने जा रहे टीकाकरण अभियान की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल और असम से लेकर गोवा तक देश के कोने-कोने में वैक्सीन पहुंचाने का काम चल रहा है।

नई दिल्ली, एजेंसियां। कोरोना की रोकथाम के लिए देश में शनिवार 16 जनवरी से एक साथ शुरू होने जा रहे टीकाकरण अभियान के पहले दिन करीब तीन लाख स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया जाएगा। स्वास्थ्य कर्मियों को यह टीका निःशुल्क लगेगा। इसका खर्च केंद्र सरकार उठाएगी। वहीं दूसरी ओर टीकाकरण अभियान की तैयारियां बुधवार को भी जोर-शोर से चलती रहीं। जम्मू कश्मीर से लेकर केरल और असम से लेकर गोवा तक देश के कोने-कोने में वैक्सीन पहुंचाने का काम जारी रहा। पहले स्वदेशी टीके कोवैक्सीन की खेप भी बुधवार को हैदराबाद के अलावा देश के 11 बड़े शहरों को पहुंचा दी गई। पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट की वैक्सीन कोविशील्ड की खेप मंगलवार को देश के 13 बड़े शहरों में पहुंचाने के बाद बुधवार को भी अन्य शहरों को पहुंचाई गई। इसके बाद बड़े शहरों से छोटे शहरों और जिला मुख्यालयों तक वैक्सीन को सुरक्षित पहुंचाने का काम शुरू हो गया।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बताया गया कि शनिवार को देश के 2934 केंद्रों पर कोरोना का टीका लगाया जाएगा। पहले 5000 केंद्रों पर टीका देने की तैयारी थी लेकिन व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए केंद्रों की संख्या में कटौती की गई। दिल्ली में 89 केंद्रों पर टीकाकरण शुरू होना था लेकिन अब यह संख्या घटाकर 75 कर दी गई है। हालांकि मंत्रालय ने आने वाले दिनों में केंद्रों संख्या बढ़ाए जाने की बात कही है। इसी तरह राज्यों से किसी भी केंद्र पर हर दिन प्रत्येक सत्र में अधिकतम सौ लोगों को टीकाकरण के लिए बुलाने की सलाह दी है। इससे टीकाकरण केंद्रों पर व्यवस्था बनी रहेगी। यह वैक्सीन वरीयता के आधार सबसे पहले स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर को मुफ्त लगाई जाएगी। टीका लगवाने वाले को चार हफ्ते में दूसरी डोज लेनी होगी। स्वदेशी टीका कोवैक्सीन विकसित करने वाली हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक ने बताया कि सरकार से 55 लाख डोज का आर्डर मिलने के बाद उसने बुधवार को वैक्सीन की पहली खेप रवाना कर दी। इसके साथ ही कंपनी ने 16.5 लाख डोज सरकार को मुफ्त मुहैया कराने की घोषणा की है। उसके एक वायल से 20 डोज तैयार किए जाते हैं। कंपनी ने बताया कि बुधवार तड़के वैक्सीन को विमानों के जरिये गनावरम, गुवाहाटी, पटना, दिल्ली, कुरक्षेत्र, बेंगलुरु, पुणे, भुवनेश्वर, जयपुर, चेन्नई व लखनऊ भेजा गया। इन शहरों से छोटे शहरों और जिला मुख्यालयों को वैक्सीन पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया। उधर कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया की ओर से बताया गया कि पहले चरण में उसे 1.1 करोड़ डोज सप्लाई करने का आर्डर मिला है। इस खेप का 95 फीसद हिस्सा कंपनी ने रवाना कर दिया है।

मुंबई एयर पोर्ट अथारिटी ने बताया कि बुधवार को कोविशील्ड की 2,72,400 डोज देश के 22 शहरों को भेजी गई। गो एयर की पहली उड़ान 23,500 डोज लेकर गोवा के लिए रवाना हुई। इसके बाद स्पाइसजेट, गोएयर और विस्तारा के विमानों से बागडोगरा, राजकोट, रांची, इंफाल, अगरतला, कोचीन, भोपाल, कानपुर, जम्मू, श्रीनगर, लखनऊ, चंडीगढ़, गोरखपुर, रायपुर, देहरादून, वाराणसी, इंदौर, तिरुअनंतपुरम और जबलपुर वैक्सीन की खेप भेजी गई।

अब हफ्ते के सभी सात दिन चलेगी मुंबई हजरत निजामुद्दीन राजधानी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन

मुंबई, पीटीआइ। मध्य रेलवे ने बुधवार को कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई हजरत निजामुद्दीन राजधानी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन 19 जनवरी से हफ्ते के सभी सात दिन चलेगी। मौजूदा वक्त में यह ट्रेन हफ्ते में केवल चार दिन चलती है। मध्य रेलवे की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ट्रेन रोजाना शाम 4 बजे सीएसएमटी से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 09.55 बजे दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, वापसी में यह ट्रेन दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन से शाम को 4.55 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई के लिए प्रस?थान करेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर दूसरे दिन यह ट्रेन सुबह 11.15 बजे पहुंचेगी। मध्य रेलवे ने अपने अधिकारिक बयान में कहा है कि ट्रेन के डिब्बों और इसके स्टॉपेज यानी हाल्ट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बीते दिनों मध्य रेलवे ने घोषणा की थी कि मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस यानी सीएसएमटी और दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली राजधानी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन नौ जनवरी से मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्टेशन पर भी रूकेगी। यही नहीं ट्रेन की गति में भी बढ़ोतरी की जाएगी जिससे मुंबई-दिल्ली के बीच यात्रा करने में लगने वाला समय कम होगा। राजधानी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन हर सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को शाम चार बजे सीएसएमटी से रवाना होती थी और अगले दिन सुबह नौ बजकर 55 मिनट पर दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचती थी।

देश में ब्रिटेन से आए नए कोरोना स्ट्रेन केस में हुई बढ़ोत्तरी, अब तक 100 से अधिक मामले आए

नई दिल्ली, प्रेट्र। देश में ब्रिटेन से आए नए कोरोना स्ट्रेन(वैरियंट) के मामलों मे वृद्धि हुई है। भारत में अब तक कोरोना के नए वैरियंट के 100 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत में जिन लोगों को कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के लिए किए गए टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया है, उनकी संख्या 102 तक पहुंच गई है। 11 जनवरी तक देश में कोरोना वायरस के इस नए प्रकार से संक्रमित लोगों की संख्या 96 थी।

बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि नए यूके वेरिएंट जीनोम के साथ सकारात्मक पाए जाने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या आज 102 है। इन सभी लोगों को संबंधित राज्य सरकारों द्वारा नामित स्वास्थ्य सुविधाओं में आइसोलेशन रूम में रखा गया था। उनके निकट संपर्कों को भी क्वारंटाइन में डाल दिया गया है और सह-यात्रियों, परिवार के संपर्कों और अन्य लोगों के लिए कांटेक्ट ट्रेसिंग शुरू कर दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि अन्य नमूनों पर जीनोम अनुक्रमण चल रहा है। स्थिति को सावधानीपूर्वक निगरानी में रखा गया है और राज्यों को आईएनएसएसीओजी के नमूनों की बढ़ी निगरानी, नियंत्रण, परीक्षण और प्रेषण के लिए नियमित सलाह दी जा रही है। कोरोना वायरस के ब्रिटिश वैरियंट की उपस्थिति पहले से ही डेनमार्क, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, इटली, स्वीडन, फ्रांस, स्पेन, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, कनाडा, जापान, लेबनान और सिंगापुर सहित कई देशों द्वारा बताई गई है। पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 15,968 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या 1.04 करोड़ हो गई है, जिसमें से एक करोड़ 1 लाख 29 हजार से ज्यादा लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। देश में कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की दर बढ़कर 96.51 प्रतिशत हो गई है।

किसानों को आंदोलन कर देना चाहिए निलंबित: बार काउंसिल आफ इंडिया

बीसीआइ ने कहा कि कुछ राजनीतिकों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ की गई गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण हैं। संवेदनशील राजनेता से ऐसी टिप्पणियों की उम्मीद नहीं की जाती। इन टिप्पणियों से साबित होता है कि कुछ नेता निजी हितों के चलते संस्था और राष्ट्र को कमजोर करने में लगे हैं।

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) ने किसानों से अपील की है कि सुप्रीम कोर्ट के कृषि कानूनों पर रोक लगाने के फैसले के बाद उन्हें अपना आंदोलन निलंबित कर देना चाहिए। बीसीआइ ने सुप्रीम पर की गई टिप्पणियों और आलोचनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि न्यायपालिका का सम्मान किया जाना चाहिए। ये देश की आखिरी उम्मीद है इसकी छवि खराब नहीं की जानी चाहिए। बीसीआइ के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के हस्ताक्षर से जारी प्रपत्र में किसानों के मामले में आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश की सराहना की गई है। इसमें कहा गया कि मामले की गंभीरता समझने और देश को अराजकता की स्थिति से बचाने के लिए मामले में दखल देने के लिए देश सुप्रीम कोर्ट का आभारी है। लोगों को कोर्ट के आदेश की सराहना करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा उठाया गया कदम देशहित में है और ऐतिहासिक है। कोर्ट का उद्देश्य आंदोलन कर रहे बुजुर्ग, महिला और बच्चों को कड़ाके की ठंड और कोरोना संक्रमण से बचाने का है। बीसीआइ ने कहा कि वह और पूरी वकील बिरादरी कृषि कानूनों में एसडीएम और एडीएम को न्यायिक अधिकार दिये जाने के प्रविधान का विरोध करती है। इसीलिए उसने किसानों के आंदोलन का समर्थन किया था लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कानूनों के अमल पर रोक लगा दी है, जिसे देखते हुए किसानों को अपना आंदोलन निलंबित कर देना चाहिए।

बीसीआइ ने कहा कि कुछ राजनीतिकों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ की गई गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण हैं। किसी भी संवेदनशील राजनेता से ऐसी टिप्पणियों की उम्मीद नहीं की जाती। इन टिप्पणियों से साबित होता है कि कुछ नेता अपने निजी हितों के चलते संस्था और राष्ट्र को कमजोर करने में लगे हैं। बीसीआइ ने अपील की कि ईमानदार, गंभीर और जिम्मेदार नागरिक आगे आएं और आंदोलन कर रहे किसानों को समझाएं कि वे सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक अपना आंदोलन निलंबित कर दें।

उन्होंने कहा कि जो लोग मीडिया में आधारहीन बयान दे रहे हैं वे सुप्रीम कोर्ट के सामने जाकर अपनी बात क्यों नहीं रखते। अगर किसी को कमेटी के गठन पर आपत्ति है तो उसे सुप्रीम कोर्ट में जाकर आदेश में बदलाव का अनुरोध करना चाहिए लेकिन ऐसे लोग समस्या का हल नहीं चाहते। इनका उद्देश्य आंदोलन का गलत फायदा उठाना और किसानों को गुमराह करना है। बीसीआइ ने कहा है कि उथल पुथल की आशंका से देश को बचाने के लिए बुद्धिजीवियों के चुप्पी तोड़ने का समय आ गया है। सभी को मालूम है कि शांतिप्रिय 90 फीसद किसान सुप्रीम कोर्ट के रोक आदेश के बाद आंदोलन जारी रहने के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन जिन लोगों के निहित स्वार्थ हैं वे अराजकता फैलाना चाहते हैं।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज गुरूवार, 14 जनवरी, 2021

संक्षेप समाचार

28 जनवरी से होंगे पीसीएस 2019 के सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से हुई पीसीएस 2019 की मुख्य परीक्षा से चयनित 811 अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया शुरू होने की तारीख घोषित कर दी गई है। आयोग की ओर से मुख्य परीक्षा से चयनित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 28 जनवरी से शुरू होगा। सम्पूर्ण साक्षात्कार कार्यक्रम 18 जनवरी को आयोग की वेबसाइट पर अनुक्रमांक के आधार पर जारी किया जाएगा। प्रयागराज, लखनऊ और गाजियाबाद में पीसीएस-2019 की मुख्य परीक्षा 22 से 26 सितम्बर तक दो पालियों में हुई थी। परीक्षा में 4783 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें 811 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए हैं। यह परीक्षा 453 पदों के लिए हुई थी। इनमें 65 पद ऐसे हैं जिनमें साक्षात्कार का प्रावधान नही हैं। परीक्षा में सम्मिलित सामान्य अर्हता के पदों, विशिष्ट अर्हता के पदों सम्प्रेक्षा अधिकारी, विधि अधिकारी, ज्येष्ठ गन्ना विकास अधिकारी एवं पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी के पदों की नियमावली में साक्षात्कार का प्रावधान न होने के कारण इनका परिणाम अन्तिम चयन परिणाम के साथ घोषित किया जाएगा। इसके अलावा 388 पदों पर चयन के लिए साक्षात्कार होंगे। मालूम हो कि पीसीएस एवं एसीएफ तथा आरएफओ प्री परीक्षा 15 दिसंबर 2019 को हुई थी। 17 फरवरी 2020 को प्री का परिणाम घोषित किया गया था। पीसीएस 2019 मुख्य परीक्षा पहले 20 अप्रैल से होनी थी लेकिन लॉकडाउन के कारण परीक्षा निर्धारित तिथि पर नहीं हो सकी थी। 15 जून को जारी संशोधित परीक्षा कैलेंडर में आयोग ने पीसीएस मेंस 2019 को 22 अगस्त से प्रस्तावित किया था लेकिन 31 जुलाई को आयोग ने बदलाव करते हुए परीक्षा के लिए 22 सितंबर की तिथि तय की थी।

माघ मेला 2021 के दौरान रेलवे द्वारा यात्री सुविधा हेतु कि गई तैयारियां

प्रयागराज। माघ मेला 2021 के दौरान आये श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज जंक्शन पर कोविड -19 नियमों के अनुपालन में सुरक्षात्मक उपाय करते हुए प्रयागराज जंक्शन को पूर्णतः सुरक्षित किया गया है प्रयागराज जंक्शन पर उपलब्ध समस्त सुविधाओं की जानकारी प्रदान करने हेतु प्रवेश द्वार पर ही साईनेज लगाये गए हैं तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त लाल, नीला, पीला एवं हरा रंग के 04 आश्रय हैं प्रत्येक आश्रय की क्षमता लगभग 2500 है अर्थात प्रयागराज जं० पर लगभग 10000 यात्रियों के रुकने की व्यवस्था है। प्रत्येक आश्रयों में आरक्षण काउंटर, पूछ-ताछ काउंटर, ट्रेन टाइमिंग डिस्प्ले बोर्ड, उद्घोषणा प्रणाली, पीने का पानी, प्रकाश एवं शौचालय की उत्तम व्यवस्था की गई है।

अतीक के चचेरे भाई के मकान पर चला पीडीए का बुलडोजर

प्रयागराज। माफियाओं के खिलाफ योगी सरकार का अभियान जारी है। शहर में बुधवार दोपहर कसारी मसारी में कसरिया रोड पर माफिया अतीक अहमद के चचेरे भाई राशिद उर्फ नीलू के दो मंजिला मकान जो अवैध तरीके से बनाया गया था। प्रयागराज विकास प्राधिकरण का बुलडोजर ने ध्वस्त कर दिया है।

जनपद में आपरेशन माफिया के तहत शहर में बुधवार दोपहर धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी मसारी में कसरिया रोड पर माफिया अतीक अहमद के चचेरे भाई राशिद उर्फ नीलू के मकान को प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा गिराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। अवैध रूप से बनाया गया यह दो मंजिला मकान भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में गिराया जा रहा है। मकान करीब तीन से चार सौ वर्ग गज में बना है। इसकी लागत करोड़ो रुपये में आंकी जा रही है। बताया जा रहा है कि राशिद उर्फ नीलू भी अतीक के साथ जमीन के धंधे पार्टनर था। उस पर जबरन जमीन हड़पने के आरोप लगे थे।

पीडीए की कार्रवाई के दौरान मौजूद पुलिस बल

शासन स्तर से माफिया के खिलाफ सख्त रूख अपनाए जाने के बाद से जिला पुलिस और प्रशासन की टीम सक्रिय है। एक बाद एक सफेदफोश और माफिया के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है। पूर्व सांसद अतीक अहमद, ज्ञानपुर के मौजूदा विधायका विजय मिश्र, पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिलीप मिश्र, हिस्ट्रीशीटर पप्पू गंजिया, प्रदीप महरा, गैंगस्टर बच्चा पासी, राजेश यादव, गणेश यादव, कम्मू जाबिर समेत तकरीबन 44 लोगों के अवैध निर्माण को पीडीए तोड़ चुकी है। पूर्व सांसद अतीक अहमद इस अहमदाबाद जेल में बंद हैं। अतीक के भाई अशरफ भी जेल में हैं। अतीक के घर और दफतर को अवैध रूप स बिना नक्शा पास कराए निर्माण करने पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण तोड़ चुका है। साथ ही बमरौली इलाके में कई बीघा जमीन को कुर्क किया जा चुका है। अतीक अहमद के कई करीबियों के अवैध निर्माण को भी पीडीए ढहा चुका है। बुधवार दोपहर भी पुलिस की मौजूदगी में पीडीए ने चकिया के आगे कसरिया रोड पर राशिद उर्फ नीलू के मकान को ढहाना शुरू किया। शाम चार बजे तक काफी हिस्सा तोड़ दिया गया है। देवरिया जेल कांड में राशिद की भी संलिप्तता सामने आई थी। पता चला है कि जैद के अपहरण में राशिद की कार इस्तेमाल की गई थी।

अतीक अहमद के चचेरे भाई का मकान ढहाता पीडीए का जेसीबी

एआईकेएमएस के सदस्यों ने तीनों कृषि बिल की प्रतियां जला जताया विरोध

घूरपुर। अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समित के राष्ट्रीय आवाहन पर बुधवार के दिन अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा जिला इकाई के नेत्रृत्व मे घूरपुर के बीकर गाव मे तीनो कृषि बिल की प्रतियाँ जला कर विरोध जताई।

तीनों कृषि बिल जलाकर कहा कि अगर मोदी सरकार तीनो कृषि बिल,व 2020 बिजली बिल रद नही किया तो यह आंदोलन और तेज होगा गाँव- गाँव तक फैलेगा और किसान के साथ मजदूर भी आंदोलन मे सड़कों पर उतरेगा।कहा कि भाजपा की योगी सरकार ने जमुना नदी मे 24 जून 2019 को गलत आदेश लाकर नाव से बालू खनन बंद कर दिया है जिससे आज लाखों मजदूर बेरोजगार हो गये हैं। बीकर गाव में मनरेगा मे 21 दिन चले काम का अभी तक पेमेंट नही हुआ है,अगर समय से पहले पेमेंट नही हुआ तो 18 जनवरी को मनरेगा मजदूर जसरा ब्लाक जाकर धरना प्रदर्शन करेगें । इस मौके पर सुरेश निषाद, विनोद निषाद, राममूरत, दीपचंद, शिवकुमार, राम आसरे, रवी, विशाल, तारामनी, बिमला देवी, बसंती देवी, विटोला देवी, संतरा देवी, रामकली आदि लोग शामिल रहे।

घूरपुर के बीकर गाव में कृषि बिल प्रतियां जलाते एआईकेएमएस के सदस्य

जसरा में ट्रेन की चपेट में आया अर्ध विक्षिप्त की चार दिन बाद हुई मौत कोहराम

जसरा। जसरा रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे लाइन पार कर रहा एक अर्ध विक्षिप्त रेलवे लाइन पर गिट्टी इकट्ठा करने वाली मशीन की चपेट में आ गया था। जिससे उसका बांया पैर कट कर अलग हो गया था । घायल की घटना के चार दिन बाद मंगलवार की देर रात एस आर एन प्रयागराज में मौत हो गई। जसरा बाजार निवासी कामता प्रसाद केशरवानी 45 वर्ष पुत्र राम प्रताप केसरवानी की शुक्रवार को दोपहर में रेलवे लाइन पार कर रहा था। रेल पटरी पर गिट्टी इकट्ठा करने वाली मशीन आगे पीछे हो रही थी। कामता प्रसाद केसरवानी मशीन की चपेट में आ गया। जिससे उसका बांया पैर कट गया। परिजनों ने उसे एस०आर०एन० प्रयागराज में भर्ती करा दिया था। जहां मंगलवार की देर रात उसकी मौत हो गई । अपने पीछे पत्नी उषा केसरवानी एक पुत्री सुहानी केसरवानी 13 वर्ष को छोड़ गया है। मृतक की पत्नी ऊषा केसरवानी व बेटी सुहानी केसरवानी का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। पत्नी बेटी से लिपट कर दहाड़े मारकर रो रही थी।

उत्कृष्ट कार्य के लिए विद्यालय प्रबंधक जय शंकर मिश्रा को सम्मानित करते हुए

गीता ज्ञान एकेडमी के प्रबंधक हुए सम्मानित

कोरांव। स्वामी विवेकानंद जी के जयन्ती के अवसर पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर भारतीय जनता युवा मोर्चा की अगुवाई में जारी प्रयागराज में युवा उद्यमी सम्मान समारोह आयोजित किया गया था जहाँ पर गीता ज्ञान एकेडमी के प्रबंधक जय शंकर मिश्रा को सम्मानित कर उनका हौसला अफजाई किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष यमुनापार प्रयागराज विभवनाथ भारतीय व काशी क्षेत्र के महामंत्री सन्तोष पटेल भी मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि बारा विधायक डॉ अजय भारती रहे व लोगो को सम्बोधित भी किया। कोरांव के गीता ज्ञान एकेडमी के प्रबंधक जय शंकर मिश्र उत्कृष्ट कार्य के लिए मंच के माध्यम से सम्मानित किया गया।विद्यालय के प्रबंधक ने युवा मोर्चा यमुनापार के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ला सहित जिलामहामंत्री यमुनापार शशी द्विवेदी सहित समस्त भाजपा संगठन का आभार व्यक्त किया है।

पुलिस की गिरफ्त में बाइक चोर व बरामद बाइक

रंगेहाथ धरा गया मोटरसाइकिल चोर, दो बाइक बरामद

शंकरगढ़। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शंकरगढ़ पुलिस ने एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर दो मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बताया जाता है कि पुलिस ने यह गिरफ्तारी रंगेहाथ बाइक चुराते समय की है। जानकारी के मुताबिक एसओ शंकरगढ़ राजेश उपाध्याय बीती शाम अपने मातहतों के साथ गश्त पर थे, इसी दौरान मुखबिर की सूचना क्षेत्र के जूही चौराहे पर घेराबंदी कर छोटू पुत्र सुरेश आदिवासी (निवासी छोटी जूही, शंकरगढ़) को धर दबोचा। इसके बाद उससे कड़ाई से पूछताछ की गई, जिसमें उसने बाइक चोरी की बात स्वीकार की। उसकी निशान देही पर पुलिसने दो मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर चालान भेज दिया है। इस गिरफ्तारी में एसओ के साथ एसआई मनीष कुमार त्रिपाठी चौकी प्रभारी नारीबारी, एसआई जयचंद्र गिरि चौकी प्रभारी पीपीजीसीएल और कांस्टेबल बिट्टू त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

वैज्ञानिकों ने दी कृषकों को सलाह

प्रयागराज। शुआट्स में चल रहे ग्रामीण कृषि मौसम सेवान्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार वैज्ञानिकों ने कृषकों को सलाह दी है कि गेंहूँ की फसल को चूहों से बचाने के लिए जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। देर से बोये गये गेहूँ में पहली सिंचाई बोआई के 17-18 दिन बाद करें। बाद की सिंचाइयाँ 15-20 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिए। चना भारी भूमि में फूल आने के पहले एक सिंचाई ही पर्याप्त होती है । शीतकालीन मक्का खेत में दूसरी निराई-गुड़ाई, बोआई के 40-45 दिन बाद करके खरपतवार निकाल दें। यदि भुट्टे के रुप में प्रयोग करना हो तो रसायनों का प्रयोग न करें। गन्ना को विभिन्न प्रकार के तनाछेदक कींटों से बचाने के लिए प्रति हेक्टेयर 30 किग्रा फ्यूराडान का प्रयोग करें। बरसीम कटाई व सिंचाई 20-25 दिन के अन्तराल पर करें। प्रत्येक कटाई के बाद भी सिंचाई करें। गोभीवर्गीय सब्जियों की फसल में फसल में सिंचाई, गुड़ाई तथा मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।

देव स्वरूप होते हैं माता-पिता, पूरे मन से करें सेवा : नंद गोपाल गुप्ता (नंदी)

कैबिनेट मंत्री नंदी ने क्षेत्र भ्रमण कर व्यापारियों से की मुलाकात, सुनीं समस्याएं, केसरवानी धर्मशाला शंकरगढ़ की मरम्मत को दिए एक लाख, एक हजार रुपये

शंकरगढ़। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने कहा कि माता-पिता भगवान का दूसरा स्वरूप हैं। इनके चरणों में ही हमारा और समाज का कल्याण निहित है। इनकी सेवा से ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। नगर पंचायत शंकरगढ़ के केसरवानी धर्मशाला में आयोजित एक कार्यक्रम में युवाओं और व्यापारियों को संबोधित करते हुए नंदी ने कहा कि व्यापारियों के संगठन में एक और नंदी का आगमन हो, मैं ऐसी कामना करता हूं।

नंदी ने कहा कि प्रदेश की योगी और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार हर वर्ग के उत्थान में लगातार कार्य कर रही है। व्यापारियों के हितों को देखते हुए तमाम ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। प्रदेश में माफियाओं के खिलाफ जारी कार्यवाही का जिक्र करते हुए कहा कि इस कार्यवाही से व्यापारिक तबके को भी लाभ पहुंचा है। अपराधी और माफिया जेल की सलाखों में हैं।

स्थानीय व्यापारियों की समस्याएं के संदर्भ में कहा कि शीघ्र ही उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने कहा कि व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल सभी समस्याओं के साथ आए, ताकि सभी का एक-एक कर समाधान किया जा सके। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने कस्बे की केसरवानी धर्मशाला के जीर्णोद्धार के लिए एक लाख, एक हजार रुपये देने की घोषणा की।

इस दौरान रायल युवा संगठन की अध्यक्ष सुधा गुप्ता ने व्यापारियों की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन भी सौंपा। सुधा गुप्ता ने बताया कि खनन कार्य बंद होने से व्यापारी तबका भुखमरी के कगार पर पहुंच चुका है। जबकि यहां का व्यापारी नेताओं का स्वागत करते-करते थक गया है, लेकिन उसकी समस्याएं खत्म नहीं हुईं। सुधा गुप्ता ने बताया कि नगर का स्टेडियम खेलने लायक नहीं है। कन्या पाठशाला में शिक्षक नहीं हैं। महिला अस्पताल की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है।

इसी तरह व्यापार मंडल के महामंत्री रतन केसरवानी ने गल्ला मंडी नहीं होने की बात कहते हुए प्रतापपुर में यमुना नदी पर ब्रिज बनवाने की मांग की। इसी तरह व्यापारी नेता गोपाल दास गुप्ता ने भी तमाम समस्याएं गिनाईं। कहा कि बारा विधानसभा क्षेत्र में 40 हजार वैश्य बिरादरी के लोग हैं, लेकिन उनकी समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। शंकरगढ़ की एकमात्र गंभीर समस्या पेयजल की, आज तक दूर नहीं हो पाई। इसके पूर्व स्थानीय व्यापारियों ने नंदी का जोरदार स्वागत किया।

मंत्री नंद गोपाल नंदी का स्वागत करते लोग

वरिष्ठ समाजसेवी ने भेंट की पुस्तक

शंकरगढ़। कैबिनेट मंत्री ने शंकरगढ़ राजा महेंद्र प्रताप सिंह से उनकी कोठी में मुलाकात की। इसके बाद वह वरिष्ठ समाजसेवी रामखेलावन गुप्ता के घर पहुंचे और हाल-चाल लिया। रामखेलावन गुप्ता ने मंत्री नंदी को पुस्तक ह्यसत्यार्थ प्रकाशह्ण भेंटकर स्वागत किया। इसके बाद मंत्री ने यमुनापार के जसरा, घूरपुर, करमा बाजार का भी भ्रमण किया। शंकरगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में तहसीलदार बारा डा. विशाल शर्मा, पीआरओ कुंवर जी केसरवानी, चेयरमैन लल्लू कनौजिया, रामखेलावन गुप्ता, चतुर्भुज दास गुप्ता, रतन केसरवानी, भाजपा नेता अनूप केसरवानी, सुभाष केसरवानी, डा. सत्यजीत मलिक, सभासद सुजीत केसरवानी, प्रकाशचंद्र गुप्ता, रोहित केसरवानी, सार्थक गुप्ता, हेमराज जादूगर, जय केसरवानी, अर्पण केसरवानी, राजकुमार, पंकज केसरवानी मौजूद रहे। संचालन सुरेश केसरवानी ओम शांति ने किया।

मजलिस ए फातमीया में हिंदुस्तान के नामवार शायर व उलमा होंगे मौजूद

उतरांव। पैगम्बरे इसलाम हजरत मोहम्मदे मुस्तफा (स०अ०व०) की बेटी हजरत फात्मा की यौम ए शहादत पर 21 जनवरी ब्रहस्पतिवार को प्रातः 10 बजे से मुबारक मंजिल मुलनापुर भोपतपुर हण्डिया मे मजलिस ए फात्मतुज्जहरा का आयोजन किया गया है जिसमे आल इण्डिया शिया प्रसनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेट्री मौलाना यासूब अब्बास मेहमाने खुसुसी दूसरी मजलिस को खिताब करेंगे मौलाना वसी हसन खाँ साहब फैजाबाद पहली मजलिस को खिताब करेंगे। जमन मोयाव्वी व अली रिजवी सोजख्वानी के द्वारा फातमा जहरा की शहादत का मार्मिक मर्सिया पढ़ेंगे। अब्बास काजमी के संचालन मे होने वाले कार्यक्रम मे फरमान जंगीपुरी गमगीन नौहा पढ़ कर माहौल को गमजदा बनाएँगे। कार्यक्रम आयोजक कांग्रेस नेता कमर रिजवी ने मुहिब्बाने अहलेबैत से बड़ी संख्या मे मजलिस मे शामिल होने की अपील की है।

किसानों की हर समस्या का निदान करना हम सबका नैतिक दायित्व : ब्लॉक प्रमुख

प्रतापपुर। किसान कल्याण मिशन मेला लगाकर किसानों को प्रतापपुर में पुनीत पांडेय ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता किसानों की समस्याएं सुनीं गई और उसका निदान किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर पुनीत पांडेय ने कहा कि किसानों की हर समस्या का निदान करना हर जनप्रतिनिधियों का नैतिक दायित्व है। कृषि आधारित उद्योग को विकसित करने के लिए किसान कल्याण मिशन के रूप में अभियान चलाया जा रहा है इसके तहत किसानों को जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में किसानों की वर्तमान आय को दो गुना करने के लिए कृषि और कृषि आधारित उद्योग को विकसित करने के लिए सरकार की ओर से किसान कल्याण मिशन के रूप में अभियान चलाया जा रहा है। शासन का यह अभियान छह जनवरी से शुरू होकर अगले तीन सप्ताह तक चलेगा। इसके तहत हर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में गोष्ठी व मेला लगाकर किसानों को फसल व उत्पादों, उद्यमों के विषय में जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के विकास खंडों में आयोजित हो रहे किसान कल्याण मिशन के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान में प्रगतिशील किसानों को रोल मॉडल के रूप में सम्मान देने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व संशोधित मौसम आधारित फसल बीमा योजना का शिविर लगाकर छूटे हुए किसानों का पंजीकरण भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसान कल्याण मिशन के तहत चलाए गए इस जागरूकता महाभियान में कृषकों को अपनी आय दोगुना करने के लिए कृषि के साथ-साथ पशुपालन की भी पूरी जानकारी दी जा रही है।

किसान मेले में उपस्थित ब्लाक प्रमुख प्रतापपुर व अन्य

रेलवे के एसएसई की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। रेलवे संपत्ति की चोरी के मामले में सीनियर सेक्शन इंजीनियर की अग्रिम जमानत अर्जी सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी। यह आदेश अपर सेशन जज दिनेश शुक्ल ने आरोपित पूर्णेन्दु कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी पर उनके अधिवक्ता एवं एडीजीसी सुशील वैश्य, शिवशरण श्रीवास्तव एवं हरि नारायण शुक्ल के तर्कों को सुन कर दिया। मामला यह था कि पूर्णेन्दु कुमार प्रतापगढ़ में रेलवे विभाग में सीनियर सेक्शन इंजीनियर हैं। रेलवे सुरक्षा बल ने मुकदमा दर्ज किया था कि रेलवे की संपत्ति चोरी करने के लिए फर्जी गेट पास जारी किया गया। 16 नग सिग्नल काउंटर भी गायब मिले थे। आरोपित की ओर से तर्क दिया गया था कि उसने स्वयं सूचना दी थी। सह अभियुक्त के बयान से उसका नाम आया है। वह निर्दोष है। अदालत ने दोनों पक्षों के तर्क सुनकर जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

दुल्हन को मौत के घाट ऊतार कर फरार दुल्हा पुलिस की गिरफ्त से बाहर

मऊआइमा। सुहाग की सेज पर दुल्हन को मौत के घाट ऊतार कर भागे आरोपी दुल्हे को आज तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है । जबकि वधू पक्ष के लोगों ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है ।

मऊआइमा कस्बा के मोहल्ला पूरे मियां जी निवासी खलील अहमद ने अपने पुत्र नफीस अहमद की बारात 29 नवम्बर को लेकर सोरांव के ग्राम सेवाइथ निवासी मोहम्मद नसीम के यहां लेकर गया था। जहां नसीम की पुत्री नुजहत का निकाह हुआ। नुजहत दुल्हन बन कर नफीस के घर पूरे मियां जी आयी । रात को नवविवाहिता अपने कमरे में चले गए । 30 नवम्बर को सुबह नुजहत का शव सुहाग के सेज पर मिला था। तथा दूल्हा नफीस फरार था। नुजहत के परिजनों को पता चलने पर वह रोते बिलखते नुजहत के ससुराल आए और बेटी का शव देख कर फूट फूट कर रोने लगे । और शादी में बाइक न मिलने पर बेटी की हत्या कर देने का आरोप लगाने लगे। बाद में मृतका नुजहत के भाई मोहम्मद अदनान ने नुजहत के पति नफीस, जेठ रईस ,ससुर खलील अहमद के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करा दिया था। दस दिन का समय बीत जाने के बाद भी सभी आरोपी फरार हैं । पुलिस आज तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। जबकि पोस्टमार्टम में मृतका के सिर में गंभीर चोटों के कारण मौत होने की पुष्टी हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से मृतका के परिजनों में असंतोष व्याप्त है।

प्रयागराज हलचल

प्रयागराज गुरूवार, 14 जनवरी, 2021

संक्षेप समाचार

आज रात से मेला क्षेत्र में वाहनों की नो एंट्री

प्रयागराज। मकर संक्रांति स्नान पर्व को देखते हुए माघ मेला क्षेत्र में बुधवार रात एक बजे से सभी तरह के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लग जाएगा। सुरक्षित और सुगम यातायात के लिए ट्रैफिक प्लान भी तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं के वाहनों को खड़ा करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। मेला क्षेत्र में पैदल आने-जाने के लिए भी मार्ग निर्धारित कर दिए गए हैं। भीड़ अधिक होने पर वाहनों की पार्कि ंग मेला क्षेत्र के बाहर होगी। एसएसपी मेला ने बताया कि नो एंट्री 13 जनवरी रात एक बजे से लेकर 15 जनवरी की रात 12 बजे तक लागू रहेगी। हालांकि पुलिस, प्रशासन और चिकित्सा वाहनों को छूट रहेगी। मेले जाने के लिए जीटी जवाहर चौराहा व निकास हर्षवर्धन चौराहे के तरफ से होगा। प्लाट नंबर 17, पांटून पुल वर्कशॉप के पास, गल्ला मंडी दारागंज, हेलीपैड पा?कंग में चार पहिया और उससे बड़े वाहन खड़े होंगे। काली सड़क पर पुलिस लाइन के सामने व बगल में दो पहिया वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं को जीटी जवाहर चौराहे से होकर काली सड़क तक पहुंचेंगे। फिर काली रैंप होते हुए संगम अपर मार्ग से संगम तक पहुंचेंगे।

आधी-अधूरी तैयारियों के बीच मकर संक्रांति का स्नान आज

प्रयागराज। मकर संक्रांति का स्नान पर्व आज गुरुवार को है। यह प्रयागराज माघ मेला का प्रथम स्नान पर्व है। हालांकि माघ मेला की तैयारियां अभी भी पूरी नहीं हो सकी है। कहीं घाट नहीं बन सके हैं तो कहीं टेंट ही नहीं लगे। जो टेंट लगे भी उसमें सारी सुविधाएं नहीं मिली हैं। अभी कई संतों को जमीन का आवंटन भी बांकी है। कुछ संतों के बीच जमीन का विवाद भी चल रहा है। प्रयागवाल के तीर्थ पुरोहितों को जमीन का आवंटन भी नहीं हुआ है। ऐसे में माघ मेला के दौरान यहां बसने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना वायरस संक्रमण काल में आयोजित होने वाले माघ मेले की तैयारी इस बार देर से शुरू हुई। पूरी व्यवस्था करने में मेला प्रशासन को समय कम था। इसके लिए शासन से निर्देश मिला था कि अतिरिक्त श्रमिक लगाकर मेले की तैयारी समय से पूरा कर लें। फिर भी तैयारी अधूरी ही है। मेला क्षेत्र का परेड ग्राउंड अभी पूरी तरह से खाली है। यहां पर दुकानें भी नहीं लगाई हैं। दुकानों के लिए जमीन का आवंटन आज किया जाएगा। ऐसे में स्नान पर्व के दिन दुकाने सजना मुश्किल है। झूला और मीना बाजार भी अब तक नहीं लगा है।

स्नान घाट के रूप में संगम नोज तो तैयार हो गया। हालांकि अन्य क्षेत्रों में जो घाट बनाए जा रहे थे, वह पूरी तरह अभी तैयार नहीं हैं। गंगा नदी पर पांच पांटून पुल आने-जाने के लिए बना दिए गए लेकिन सेक्टर 4-5 में सड़कें पूरी तरह दुरुस्त नहीं हुई हैं। स्नान पर्व को देखते हुए मेला प्रशासन ने रूट चार्ट तैयार कर लिया है। मेला क्षेत्र में भीड़ को आने से रोकने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। गेट के पास ही वाहनों की पार्किंग बनाकर वही रोका जाएगा। मेला क्षेत्र में केवल पैदल लोग ही जा सकेंगे।

माघ मेला में कल्पवासियों का आना 26-27 जनवरी से शुरू होगा। उनका कल्पवास 28 जनवरी से शुरू होगा। इसलिए मकर संक्रांति के स्नान पर्व पर बहुत कम कल्पवासी ही यहां आए हैं। जो कल्पवासी आए भी, उनको सुविधाएं नहीं मिली हैं। वह सुविधाओं के लिए मेला कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं।

कल्पवासियों की शिकायत है कि उनको यहां बसने के लिए सामान सही नहीं मिल रहा है। कल्पवासियों को सामान मुहैया कराने के लिए छह एजेंसियों को ठेका दिया गया है लेकिन उनके पास सामान पर्याप्त नहीं है। जो समान हैं, उसमें कुछ फटे-पुराने भी हैं। इससे कल्पवासियों में नाराजगी है।

बोले मेला अधिकारी

मेला अधिकारी विवेक चतुवेर्दी ने बताया कि मेला की तैयारी देर से शुरू हुई इसलिए कुछ कमियां रह गई है। मकर संक्रांति स्नान के बाद उसे ठीक कर लिया जाएगा।

होटल के कमरे में संदिग्ध दशा में मृत मिला सीआरपीएफ का जवान

प्रयागराज। प्रयागराज के एक होटल में सीआरपीएफ के 40 वर्षीय जवान टेकालेप डेन की संदिग्ध दशा में मृत पाया गया 'टेकालेप डेन असम के जय सागर का रहने वाला था। वह सीआरपीएफ के 149 वीं बटालियन में तैनात था। मंगलवार शाम करीब पांच बजे वह रेलवे स्टेशन के सामने स्थित अम्बर विला लॉज पहुंचा। इसके बाद कमरा नंबर 202 में आराम करने के लिए चला गया था।

शहर में शाहगंज थाना क्षेत्र के अंबर विला लाज में सीआरपीएफ के 40 वर्षीय जवान टेकालेप डेन की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस जांच कर रही है कि वह यहां कैसे आया था।

असम का रहने वाला था सीआरपीएफ का जवान

टेकालेप डेन असम के जय सागर का रहने वाला था। वह सीआरपीएफ के 149 वीं बटालियन में तैनात था। मंगलवार शाम करीब पांच बजे वह रेलवे स्टेशन के सामने स्थित अम्बर विला लॉज पहुंचा। इसके बाद कमरा नंबर 202 में आराम करने के लिए चला गया बुधवार को दोपहर तक बाहर नही आया तो वेटर ने दरवाजा खटखटाया लेकिन जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका पर पुलिस बुला ली गई' । पुलिस किसी तरह दरवाजा खोलकर भीतर पहुँची तो जवान के मुंह और नाक से खून निकल रहा था। थोड़ी देर बाद फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच कर छानबीन शुरू की। लीडर रोड चौकी प्रभारी राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद साफ होगा। जांच की जा रही है। उधर सीआरपीएफ जवान के मौत की खबर उसके बटालियन में कर दी गई। बटालियन से जवान के घरवालों को भी खबर कर दिया गया है।

माध्यमिक शिक्षकों के सुनहरे भविष्य के लिये डेम एक अच्छा कोर्स : संजय सिन्हा

प्रयागराज। माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों को प्रशिक्षण के बहुत कम अवसर प्राप्त होते हैं। जिसके कारण माध्यमिक स्तर पर होने वाले नवाचारों से वे अवगत नहीं हो पाते हैं। ज्ञान से सदैव आत्मविश्वास बढ़ता है और आत्मविश्वास से भरा हुआ व्यक्ति किसी भी कार्य को करने के लिये उचित निर्णय लेने में अपने आपको सक्षम अनुभव करता है। ज्ञानए कौशल तथा अभिवृत्ति का विकास प्रशिक्षणों के माध्यम से किया जा सकता है। राज्य शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान, सीमैट, उ0प्र0 प्रयागराज के निदेशक संजय सिन्हा ने बताया कि संस्थान द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश के माध्यमिक स्तर के प्रधानाचार्यों/अध्यापकों के लिये डिप्लोमा इन एजुकेशनल मैनेजमेन्ट (डेम) एक अच्छा कोर्स है। श्री सिन्हा ने डिप्लोमा इन एजुकेशन मैनेजमेन्ट कोर्स के विषय में विस्तार से बताते हुये कहा कि इसके अन्तर्गत माध्यमिक स्तर की आवश्यकताओं के अनुरूप विषयों को सम्मिलित किया गया है। इसमें विद्यालय प्रबन्धनए शैक्षिक प्रशासनए शोध प्रविधिए निर्देशन एवं परामर्श, शैक्षिक नियोजन, वित्तीय प्रबन्धन, कम्प्यूटर का अनुप्रयोग आदि 16 विषयों, सेमिनार, लघु शोध आदि को सम्मिलित किया गया है। यह कोर्स 01 मई से प्रारम्भ हो रहा है तथा इसके लिये कार्यालय से 15 फरवरी तक आवेदन पत्र प्राप्त तथा जमा किये जा सकते है। श्री संजय सिन्हा ने आगे कहा कि यह कोर्स वर्ष 2005 से सतत संचालित किया जा रहा है। इस कोर्स को कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को न केवल अपने उत्तरदायित्वों को निभाने में आसानी होती है बल्कि कई बार वे अपने भविष्य को बेहतर बनाने में सफल होते हैं।

माघ मेला : कोविड-19 के बीच कुछ ऐसा बदला-बदला नजर आएगी संगम नगरी

मेले में आने वाले हर श्रद्धालु की होगी कोरोना जांच, रिपोर्ट को रखना होगा अपने पास

अबकी बार सिर्फ एक महीने के लिए ही माघ मेले में कल्पवास की मिल रहीं सुविधाएं

(सुनील गिरि)

प्रयागराज। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की वजह से इस बार गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर लगने वाले माघ मेले में बहुत कुछ बदला-बदला नजर आएगा। मसलन अपने गांव, घर अथवा किसी भी शहर से बेरोक टोक मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार कोविड 19 टेस्ट रिपोर्ट अपने साथ लेकर आनी होगी और यहां माघ मेला क्षेत्र के इंट्री प्वाइंट पर भी चेक कराना पड़ेगा। माघ मेले के क्षेत्रफल से लेकर यहां आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े में भी इस बार कमी देखने को मिलेगी। पहली बार माघ मेला क्षेत्र में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करके स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं को डुबकी लगवाई जाएगी। माघ मेला क्षेत्र में महिला हेल्प डेस्क और कोविड 19 हेल्प डेस्क बनाई गई हैं। ताकि महिलाओं से संबंधित अपराधों को रोका जा सके और कोरोना जांच नियमित रूप से कराई जा सके।

कोविड टेस्ट अनिवार्य

संगत तट पर प्रति वर्ष लगने वाले माघ मेले के प्रमुख स्नान पर्वों को मिलाकर करोड़ों श्रद्धालु आते हैं। लाखों कल्पवासी और साधु संत यहां परमानेंट एक महीने तक रहते हैं। कोरोना काल में इस क्राउड को नियंत्रित करना और सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित घर वापस भेजना मेला प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस बार माघ मेला कोविड.19 गाइडलाइन के अनुसार कराया जा रहा है जिसको लेकर श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और साधु-संतों को कोविड की निगेटिव जांच रिपोर्ट के आने के बाद मेला में प्रवेश मिलेगा। उन्हें अधिकतम तीन दिन पुरानी आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट लानी अनिवार्य होगी। जो की पहली बार हो रहा है।

संक्रमित मिलने के बाद पूरे शिविर के लोग होंगे आईसुलेट

मेले में आने वाले कल्पवासियों का डेटाबेस भी तैयार किया जाएगा। 15-15 दिनों में दो बार रैपिड एंटीजेन किट से हर कल्पवासी की कोविड जांच भी कराई जाएगी। इसके अलावा शिविर में अगर एक भी श्रद्धालुओं की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, तो सभी लोगों को 15 दिन के लिए आइसोलेट भी किया जाएगा। इस बार कोविड.19 को देखते हुए मेले में अधिक भीड़.भाड़ न होए इसलिए मेले में जरुरी दुकानों को छोड़कर बाकी दुकानों पर पाबंदी रहेगी।

पिछले वर्ष की तुलना में घट गया माघ मेले का क्षेत्रफल

पिछले वर्ष की तुलना मे कम क्षेत्रफल 675 हेक्टेयर में बसने वाले माघ मेले को पांच सेक्टरों में बांटा गया। कोविड-19 के संक्रमण के चलते पहली बार माघ मेले में 16 गेट बनाए गए हैं।

- हर गेट पर पर आने वाले श्रद्धालुओं की थर्मल स्क्रीनिंग के साथ सेनेटाइजेशन करने का भी इंतजाम किया गया है।
- पूरे मेला क्षेत्र को भी प्रतिदिन सेनेटाइज कराया जाएगा।
- मेला परिसर में 20 बेड का हॉस्पिटल बनाया गया है। जो 24 घंटे सेवा में उपलब्ध रहेगी।
- आपातकालीन सेवाओं के लिए 40 एंबुलेंस रखी जाएंगी। कोविड मरीजों के लिए अलग एंबूलेंस होगी।

माघ मेले में पुलिस करेगी श्रद्धालुओं की मदद

- माघ मेला पुलिस एक गाइड की तरह श्रद्धालुओं की मदद करेगी।
- माघ मेला में आए सभी पुलिसकर्मियों को इसी तरह से व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।
- आईजी केपी सिंह ने माघ मेला पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों को सॉफट स्किल की जानकारी दी।
- बताया गया कि ड्यूटी के दौरान अचारण पर ध्यान देना सबसे ज्यादा जरूरी है।
- इसके बाद आईजी ने एसपी माघ मेला के साथ विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर पुलिस की तैयारियों का निरीक्षण किया।

ये है मेला की सुरक्षा व्यवस्था

- इस बार पांच माघ मेला 5 सेक्टरों में विभाजित है।
- जिसमें यात्रियों की सुरक्षा के लिए 5000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।
- 13 थाने और 38 पुलिस चौकियां बनाई गई हैं।
- पूरे माघ मेला क्षेत्र में 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, वॉच टावर बनाए गए हैं।
- पांच कंपनी पीएसी, आरपीएफ, जल पुलिस की टीमें भी लगाई गई हैं।
- माघ मेले में ड्यूटी कर चुके पुलिसकर्मियों की तैनाती ही तैनाती होगी।
- एसटीएफ और एटीएस, एलआईयू, आईबी, बीडीएस की टीमें मेले की निगरानी रखेंगी।
- पूरे माघ मेले की ड्रोन कैमरे से 24 घंटे निगरानी की जा रही है।
- 57 दिनों तक चलने वाले मेले में 13 फायर स्टेशन, गोताखोर व नावें एलर्ट है।

प्रमुख स्नान पर्व

- 14 जनवरी को पडने वाले पहले स्नान पर्व मकर संक्रांति से माघ मेले की शुरूआत होगी।
- 28 जनवरी को पौष पूर्णिमा का स्नान पर्व।
- 11 फ रवरी को मौनी अमावस्या।
- 16 फरवरी को बसंत पंचमी।
- 27 फरवरी को माघी पूर्णिमा।
- 11 मार्च को महाशिवरात्रि के माघ मेले का समापन।

पहले के माघ मेले और अब का माघ मेला

- माघ मेला पिछली बार छह सेक्टरों में बसाया गया था।
- पछली बार तक लगभग तीन हजार संस्थाएं भी मेले के दौरान आते थे।
- साथ ही साधु संत और मेले के एक हिस्से में कल्पवासी बसाए जाते थे।
- इस बार कोरोना संक्रमण को देखते हुए संस्थाओं की संख्या में कटौती की गई है।
- लगभग एक चौथाई बेहद जरूरी संस्थाओं को ही यहां पर सुविधा दी गई है।
- इसके साथ ही मेला क्षेत्र के हर सेक्टर में स्नान घाट बनाया गया है।
- सेक्टर में रहने वाले कल्पवासियों को वहीं स्नान कराने की तैयारी है।
- जिससे संगम पर अनावश्यक भीड़ न हो सके।
- माघ मेले में साधु संतों के शिविर तो लगाए गए हैं, लेकिन पंडाल नहीं लगाया गया है।
- पहले 18 स्नान घाट बनाए जाते थे, लेकिन इस बार 36 स्नान घाट कोरोना के मद्देनजर बनाए गए हैं।
- कोविड के चलते बनाए गए 36 स्नान घाटों का विस्तारित किया गया है। ताकि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके।
- इस बार पुलिस पर लोगों के मास्क अनिवार्य रुप से पहनने और उनकी कोविड जांच रिपोर्ट चेक करने भी अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी।

पहली बार हुआ कोविड टास्क फोर्स का गठन फिर भी मिल चुके 15 संक्रमित

संगम तट पर लगने वाले माघ मेले के शुरू होने से पहले ही कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। माघ मेले की तैयारियों में लगे पुलिसकर्मी कोरोना पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। अब तक 10 पुलिसकर्मी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। जिनमें 7 कांस्टेबल 2 हेड कांस्टेबल और एक सब इंस्पेक्टर कोरोना संक्रमित हुए हैं। इनके अलावा पांच होमार्ड के जवान भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। जिससे पुलिस वालों में खौफ है। हालांकि योग ध्यान और काढ़े के जरिए पुलिस वालों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए अधिकारी लगे हुए हैं। कोरोना संक्रमण को देखते हुए यहां तैनात पुलिसकर्मियों और अधिकारियों का कोरोना टेस्ट भी कराया जा रहा है। इसके लिए कोविड टास्क फोर्स का पहली बार गठन किया गया है।

ये है कोरोना से बचने व मेले की तैयारी

- हर बार बनने वाले पांच पान्टूल ब्रिज के बजाय इस बार लोक निर्माण विभाग द्वारा चार पांटूल ब्रिज ही बनाए गए हैं।
- मेला क्षेत्र में छह स्टैटिक बूथ परीक्षण केंद्र पर एंटीजन एवं आरटीपीसीआर परीक्षण सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
- लैब टेक्नीशियन एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों से युक्त 20 मोबाइल परीक्षण वैन भी कार्यरत हैं।
- 20 बेड के दो अस्पताल त्रिवेणी अस्पताल सेक्टर 2 एवं गंगा अस्पताल सेक्टर चार में बने है।
- छह स्वास्थ्य विशेषज्ञ, 12 मेडिकल ऑफि सर तथा एंबुलेंस के लिये डॉक्टर्स 24 घंटे रहेंगे।
- कोविड 19 संक्रमितों की पहचान के लिए 100 विशेष डोर टू डोर टीमों का गठन हुआ है।
- जो संस्थाओं में जाकर सर्वे कर रही हैं तथा वहां रहने वाले कोविड 19 लक्षण युक्त व्यक्तियों की जानकारी निरंतर ले रही हैं।
- मेले में प्रवास के दौरान सभी कल्पवासियों का तीन बार एंटीजन टेस्ट कराया जाएगा तथा उन्हें आईवरमेक्टिन का डोज दिया जाएगा।
- हर कल्पवासी से संबंधित जानकारी उन्हें जारी किए गए विशेष कोविड केयर कार्ड में दर्ज की जाएगी।
- जिसकी विशेष निगरानी सर्विलेंस टीम करेगी। इत्यादि

रोटरी क्लब की ओर से किया गया रक्तदान

रक्तदान करते रोटरी क्लब के सदस्य

प्रयागराज। बुधवार को बैसाखी के शुभ अवसर पर रोटरी इलाहाबाद इलीट के रोटेरियन रक्तवीरों ने रक्तदान किया, जिसमें क्लब के सचिव रोटेरियन नितिन चोपड़ा, क्लब के ब्लड डोनेशन चेयरपर्सन रोटेरियन विकल्प अग्रवाल एवं क्लब के मीडिया प्रभारी रोटेरियन मनीष गर्ग ने रक्तदान किया, क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अभिषेक वर्मा और पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन कल्याण घोष के सुपुत्र रोटेरियन अरिंदम घोष भी मौजूद थे। सचिव ने पूर्व में पच्चीस बार और मीडिया प्रभारी ने उन्नीसवीं बार रक्तदान किया है। लोगो से अनुरोध है कृपया स्वतः अपनी सुविधानुसार ब्लड बैंक जाए और रक्तदान करें, एक स्वस्थ व्यक्ति साल में तीन से चार बार रक्तदान कर सकता है, इससे किसी प्रकार की कोई कमजोरी नही आती। एक यूनिट रक्त से कई जिंदगी बचाई जा सकती है। कोविड की वजह से रक्तदाताओं की भारी कमी हो गयी है।

स्वामी विवेकानंद भारतीय युवाओं के आदर्श एवं प्रासंगिक प्रतीक हैं : हिमान्शु सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित सपा कार्यकर्ता

मेजा, प्रयागराज। विवेकानंद जी की जयन्ती के अवसर पर सपा कार्यकर्ताओं ने आज युवा घेरा कार्यक्रम कर युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए भाजपा की नीतियों को नौजवानों के खिलाफ बताया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी के युवा नेता हिमांशु सिंह ने भड़ेवरा में युवा घेरा कार्यक्रम किया ' स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर फूल माला अर्पित कर नमन करते हुए सपा के कार्यकताओं ने वर्तमान में युवाओं की चुनौतियों और देश की दशा पर गम्भीर चिंतन करते हुए भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों को बेरोजगारी बढ़ाने वाली और नौजवानों को निराश करने वाली बताया। सपा के युवा नेता हिमांशु सिंह ने कहा कि पूरे विश्व में सर्वाधिक युवा पीढ़ी भारत में निवास करती है। युवाओं की ऊर्जा, बुद्धि और कार्य क्षमता का उपयोग कर भारत को विश्व में सबसे अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है लेकिन दुर्भाग्य है कि वर्तमान में केंद्र और प्रदेश में सत्ता धारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी इस ओर ध्यान नहीं दे रही है और बेरोजगारी दूर करने मे पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। 2014 के चुनाव में लंबे लंबे वादे कर सत्ता हासिल करने वाली भाजपा ने नौजवानों को निराश किया है। कोरोना आपदा काल में रोजी रोटी गवां चुके करोड़ों की संख्या में लोंगो को राहत देने के लिये कोई ठोस योजना नहीं बनी। शिक्षण संस्थानों में छात्रों को अपने हक के लिए आन्दोलन करना पड़ रहा है। छात्र संघ चुनाव पर रोक लगा तानाशाही को बढावा दिया जा रहा है। युवाओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही सच्चे मायने में युवाओं, बेरोजगारों, महिलाओं, किसानों को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। आगामी 2022 में प्रदेश में सपा की सरकार बनाने के लिए हर स्तर पर मजबूती के लिए संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा नेता हर्षित मिश्रा एवं संचालन प्रेमचंद यादव ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अरुण शर्मा, शुभम पाण्डेय, योगेंद्र प्रताप सिंह, सत्यम मिश्र, सोनू दुबे, अरविंद यादव, वीरेंद्र यादव, पंकज यादव, चंचल राज, अभिषेक सिंह, लालबाबू निषाद, अमित निषाद, अजय यादव, अशर्फी पाल, ज्ञानचंद, दिनेश, शुशील कुमार, मुन्नन शर्मा, संतोष यादव, राज मुहम्मद, शिवम शर्मा, पिंटू कादरी, सुब्बा पाल, मोहित पाल, चंदू यादव, अंकुर यादव, प्रमोद शर्मा, अजय शर्मा, दीपक शर्मा, विजय बहादुर, मुकेश, रोहित शर्मा, मान सिंह,छोटू यादव, पवन, सोनू शर्मा, सतीश विश्वकर्मा, जय प्रकाश मिश्रा, अभिषेक सिंह ,विमल, चंद्रकांत तिवारी, आनन्द मिश्र, सर्वेश सिंह, निखिल मिश्र, शुभम यादव, धीरज यादव, अनिल कुशवाहा, समीर शुक्ला, सुमित सिंह गोलू, शिवम सिंह, अतुल सिंह, अखिल प्रताप सिंह, अक्षयवर यादव, कलट्टर यादव, धीरज यादव, ओमप्रकाश यादव, मुकेश यादव, उमेश भारतीय, लल्लू गुप्ता, साहब लाल, मानिक चंद्र सहित सैकड़ो युवा मौजूद रहे।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

संक्षेप समाचार

स्वच्छग्राही संघ के जिलाअध्यक्ष द्वारा किया जा रहा सर्वे

कुंडा। स्वच्छ भारत मिशन योजना ग्रामीण के अंतर्गत बेसलाइन सर्वेक्षण द्वितीय चरण का फेस टू में स्वच्छाग्रही के द्वारा सर्वे किया जा रहा है ,जिसमें विकासखंड बिहार को 567 शौचालय का कुल लक्ष्य हासिल है ।जिसमें से प्रत्येक ग्राम पंचायत को सात सात शौचालय का लक्ष्य दिया गया है ।स्वच्छाग्रही संघ के जिला अध्यक्ष प्रशांत त्रिपाठी ने बताया कि इन सात शौचालय के लक्ष्य को पूर्ण किया गया है ।शौचालय आवंटन में विधवा विकलांग एवं दिव्यांग को प्रथम वरीयता पर रखा गया है। जिलाअध्यक्ष ने यह भी बताया कि इसमें पूरी सावधानी बरती जा रही है।

दहिलामऊ उपकेंद्र पर बुधवार को भी गुल रही बत्ती

प्रतापगढ़। नगर के दहिलामऊ उपकेंद्र पर लो वोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिए 10 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है। बुधवार को दूसरे दिन भी सबुह 8 बजे से शाम 6 बजे तक बत्ती गुल रही। मरम्मत में कर्मचारियों संग एसडीओ टाउन अजीत कुमार यादव मौजूद रहे।

22 करोड़ की 160 परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

जिला पंचायत अध्यक्ष अवध रानी ने कहा कि विगत पांच वर्षों से हम सभी लोग एक साथ मिलकर जनपद के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहे हैं

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अवध रानी की अध्यक्षता में जिला पंचायत कौशाम्बी की बैठक में शामिल अधिकारीगण

कौशाम्बी। जिला पंचायत कौशाम्बी की बैठक जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती अवध रानी की अध्यक्षता में आज दिनाक 13 जनवरी को सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सदस्यगण ब्लाक प्रमुखगण मुख्य विकास अधिकारी एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे बैठक की कार्यवाही निर्धारित समय से शुरू हुई। बैठक के एजेण्डे के अनुसार जिला पंचायत की गत बैठक की कार्यवाही सर्वसम्मत से पुष्टि की गयी । पुष्टि के उपरांत जिला पंचायत से सम्बद्ध विभागों से जुड़े समस्याओं पर चर्चा सौहर्दपूर्ण तरीके हुई। बैठक के उपरांत जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा जिला पंचायत सदस्यो की गरिमामयी उपस्थिति में 22 करोड़ रुपए की लागत 160 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के उपरांत अध्यक्षा द्वारा उपस्थित सदस्य गणों को सम्मानित किया गया तथा अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सदन में उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यगण अधिकारीगण कर्मचारीगण एवं पत्रकार बंधुओ सभी का सदन में हार्दिक स्वागत अभिवंदन किया है जिला पंचायत अध्यक्ष अवध रानी ने कहा कि आज से सभी सदस्यों का कार्यकाल सकुशल संपन्न हो रहा हैं विगत पांच वर्षों से हम सभी लोग एक साथ मिलकर जनपद के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहे हैं जिसके परिणाम स्वरुप जनपद के विकास हेतु हजारों हजार निर्माण कार्य जिला पंचायत कौशांबी द्वारा किए गए हैं इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अवध रानी ने कहा कि मैं इश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आप सभी सदस्य गण पुनः निर्वाचन हो एवम् आपका भविष्य उज्ज्वल एवम् मंगलमय हो।उक्त कार्यक्रम में एएमए जिला पंचायत रणमत सिंह अभियंता अखिलेश्वर मल्ल अध्यक्ष प्रतिनिधि जगजीत सिंह जिला पंचायत सदस्य अश्विनी द्विवेदी साजन मौर्य शिव मोहन मौर्य नरेंद्र सिंह पटेल भोला सरोज अनामिका सिंह कल्पना सिंह अनिमा सिंह आशीष मौर्य सुमित कुशवाहा अश्वनी सिंह कुसुम कली शिखा सरोज कल्पना देवी हीरा लाल सरोज जितेंद्र सरोज मोहन लाल रामप्रकाश सरोज जितेंद्र सरोज आरती सिंह आशा देवी बंदना मौर्य आदि सदस्य उपस्थित रहे।

ठंड लगने से युवक की हुई मौत

अझुवा कौशाम्बी। शराब के नशे में रात भर जंगल मे पड़े रह गए एक युवक की ठंड लगने से मौत हो गयी है मामला कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार दीपू उम्र 32 वर्ष पुत्र रामस्वरूप कड़ा धाम निवासी शराब के बड़े शौकीन आदमी थे और वह अविवाहित थे नशे के चक्कर मे शाम को ही वह घर से निकल गए थे।

शराब का नशा करके वह रात भर जंगल में पड़े रह गए परिजनों ने बहुत हद तक उनकी तलाश की परंतु नही मिले भोर 4 बजे परिजनों को खबर लगी कि दीपू जंगल मे पड़ा है जिसे गर्म कपड़े से ढककर दारा नगर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में परिजन दिखाने गए किंतु स्थिति गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी परिजनो ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवा दिया जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गयी जिसे परिजन घर लाकर अंतिम संस्कार कर दिया है। चिकित्सकों ने बताया कि ठंड लग जाने से युवक की मौत हुई है।

भाजपा पार्टी कार्यालय पर विवेकानंद जयंती कार्यक्रम में शामिल लोग

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने मनाया युवा दिवस समारोह

कौशाम्बी। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने स्वामी विवेकानंद की 158वीं जयंती के उपलक्ष में बड़े धूमधाम से युवा दिवस के रूप मे मनाया गया। भाजपा पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पधारे फूलपुर विधायक प्रवीण सिंह पटेल एवं जिला अध्यक्ष भाजपा श्रीमती अनीता त्रिपाठी ने युवा उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने स्वामी विवेकानंद के जीवन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष श्रीमती अनीता त्रिपाठी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का सम्पूर्ण जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष सुनील मिश्रा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को स्वामी विवेकानंद के जीवन से सीख लेकर राष्ट्र के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में धर्मराज मौर्य, संजय जायसवाल,आशीष केसरवानी, दीपचंद दिवाकर,शेखर पांडेय, प्रतीक जायसवाल, मनीष साहू, नीरज साहू,ओमनारायण शुक्ला,पप्पू चौधरी,हर्ष केसरी,प्रदीप जायसवाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रिंकू मौर्य ने किया।

अधिवक्ताओं ने मनाई विवेकानंद की जयंती

कौशांबी। अधिवक्ता परिषद कौशांबी के अधिवक्ताओं द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन कौशांबी के लाइब्रेरी हॉल में बड़े ही धूमधाम से मनाई गई है साथ ही साथ अधिवक्ता परिषद कौशांबी की मासिक बैठक संपन्न हुई इस अवसर पर अधिवक्ता परिषद के संरक्षक केडी द्विवेदी एडवोकेट द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी गई विवेकानंद की जयंती समारोह में मॉडल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देव शरण त्रिपाठी एवं जनपद न्यायालय कौशांबी के डीजीसी एवं अधिवक्ता परिषद के संरक्षक सोमेश्वर तिवारी संजय जयसवाल एडवोकेट श्री राम चौधरी एडवोकेट अखिलेश विश्वकर्मा एडवोकेट बृजेश सोनी शशांक अनिरुद्ध विकास यादव सत्येंद्र विकास मिश्रा सुनील त्रिपाठी अनूप प्रदीप मिश्रा एडवोकेट सहित तमाम अधिवक्ता उपस्थित रहे और विवेकानंद की जयंती पर अपने अपने विचार व्यक्त किए।

किसानों की सैकड़ों बीघे रबी की फसल जलमग्न

लापरवाही के चलते जलमग्न फसल नष्ट होने के कगार पर, किसानों के चेहरों पर मायूसी

नहर के उफान के चलते किसानों की डूबी फसलका दृश्य

कौशाम्बी। सिंचाई विभाग और नहर विभाग के अधिकारियों के खींचतान के बीच एक बार फिर नहर के उफान पर आ जाने से इलाके के सैकड़ों किसानों की सैकड़ों एकड़ भूमि की फसल जलमग्न हो गई है जिससे किसानों की फसल नष्ट हो रही है कई बार किसानों ने नहर के उफान की जानकारी दोनों विभाग के अधिकारियों को दी लेकिन किसान की बबार्दी पर दोनों विभाग के अधिकारी चैन की बंसी बजा रहे हैं जिससे किसान के सामने बबार्दी की स्थिति उत्पन्न हो रही है लेकिन उसके बाद भी विभागीय अधिकारी धृतराष्ट्र की भूमिका पर खड़े हुए हैं। मंझनपुर तहसील क्षेत्र से निकली नहर में कई वर्षों बाद पानी छोड़ा गया जिसमें कई गांव आते हैं कई वर्षों से साफ-सफाई व नहर पटरी सफाईकरण ना होने के चलते नहरों की शक्ल बदल गई थी पानी ना आने से किसानों को काफी इंतजार के बाद निजी नलकूपों से महंगे दामों में सिंचाई करनी पड़ रही थी समस्या को लेकर तमाम किसान संगठनों ने आंदोलन कर आवाज बुलंद की जिस पर विभाग के अधिकारी की पहल पर नहर में पानी तो आ गया लेकिन नहर की सफाई ना होने के चलते नहर उफान मारने लगी और नहर का पानी किसानों के खेतों में भरने लगा है विभागीय लापरवाही के चलते किसानों की सैकड़ों बीघे रबी की फसल जलमग्न होकर नष्ट होने के कगार पर आ गई है किसानों ने जब अपनी फसल को जलमग्न देखा तो पूरी तरह से वो मायूस हो चुके हैं। यहीं हाल करारी क्षेत्र के सालेपुर की तरफ जाने वाली नहर का है जिसमें नहर की साफ सफाई की व्यवस्था को ठीक नहीं किया गया और पानी छोड़ दिया गया सिंचाई विभाग के अधिकारियों की इस लापरवाही के कारण इलाके के किसान बहार अहमद सुखलाल गौरीशंकर मधई लवकुश बनवारी शिवकुमार पप्पू हरिश्चंद्र सहित सैकड़ो किसानों की सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न होकर नष्ट होने के कगार पर है लेकिन फिर भी विभाग के अधिकारी कुम्भकर्णी नींद में सो रहे हैं।

डीएम व एसपी को किया सम्मानित

कौशाम्बी। जनहित मीडिया वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश सचिव ने सोमवार को जिलाधिकारी अमित कुमार सिंह,पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन सिंह सहित कई अधिकारियों को सम्मान पत्र देकर उनके द्वारा कियें गये प्रशासनिक कार्यो की सराहना किया। बतां दें कि जनहित मीडिया वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश सचिव राजिक, जिलाध्यक्ष कौशाम्बी कमलेश चन्द्र शर्मा, जिला सचिव कौशाम्बी राजकुमार, प्रयागराज के जिला उपाध्यक्ष दिवाकर केशरवानी, क्षेत्रीय प्रभारी अमन विश्वकर्मा, उमेश चन्द्र केशरवानी, सतीस चन्द्र केशरवानी ने जिलाधिकारी अमित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन सिंह सहित कई अधिकारियों को संम्मान पत्र देकर उनके उनके द्वारा कियें गये। प्रशासनिक कार्यो की सराहना किया और उनसे पत्रकारो के हितो की रक्षा किये जाने की मांग किया। अधिकारियों नें पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि उनके कार्यकाल में पत्रकारो के हितों की हर हाल में रक्षा की जायेगी।

अग्निशशमन दल द्वारा अग्नि दुर्घटना से बचाव के टिप्स देते दल क सदसय

अग्नि दुर्घटना से बचाव की दी जानकारी

कौशाम्बी। अग्निशमन दल के अधिकारियों द्वारा आज जिला अस्पताल परिसर में उपस्थित लोगों को अग्नि से बचाव के तरीके बताए हैं।

मौके पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सहित तमाम चिकित्सक स्टाफ नर्स मरीज उनके परिजन सहित भारी संख्या में लोग उत्सुकता अग्नि से बचाव के तरीकों को देखने के लिए एकत्रित हो गए अग्निशमन दल ने बताया कि जिस समय गैस सिलेंडर में आग लग जाए व्यक्ति को घबराने की जरूरत नहीं है और और जलती हुई आग को ऊनी कंबल पटक कर आग बुझाया जा सकता है इसका प्रयोग कर उन्होंने जिला अस्पताल में उपस्थित लोगों को दिखाया है।

इस मौके पर उन्होंने सीजफायर की उपयोगिता पर भी प्रयोग करके लोगों को बताया है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अग्नि की घटना पर रोक लगाने में सक्षम होगा तो तमाम बड़े नुकसान से बचा जा सकता है। अग्निशमन के अधिकारियों ने कहा कि जिस समय गैस सिलेंडर में किसी लापरवाही से आग लग जाती है उस समय व्यक्ति को घबराने की जरूरत नहीं है यदि संभव हो सके तो जलते सिलेंडर को किसी सरिया से पकड़ कर ठंड से बाहर फेंका जा सकता है उन्होंने तमाम तरह के तरीके अग्नि से बचाव के बताए हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन घायल

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अझुवा कस्बे के तीन युवक एक बाइक में सवार होकर हथगाव जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार युवक कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के अलीपुर जीता नहर के पास पहुंचे कि तेज गति अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दिया जिससे तीनों बाइक सवार सड़क पर गिर गये और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख कर तीनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। अझुवा कस्बे के रहने वाले भोला नाथ प्रजापति अपने दो अन्य साथी शारदा और अतीत के साथ एक बाइक में सवार तीन लोग हथगांव जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार अलीपुर जीता के पास पहुंचे की तेज गति ट्रक ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दिया जिससे तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गम्भीर घायल हो गए। पुलिस की मदद से घायलों को स्थानीय अस्पताल भिजवाया कड़ा इस्माइल पुर अस्पताल के चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल युवकों को जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया दुर्घटना कर भाग रहे ट्रक को स्थानीय पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

बदमाशों के राडार पर हैं बेल्हा के व्यवसायी

एक सप्ताह में लूट की तीसरी बड़ी घटना को दिया अंजाम, अपराधियों के पीछे हांफ्ती नजर आ रही पुलिस

घटना के बाद जानकारी लेती पुलिस व भीड़

प्रतापगढ़। जिले की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त नजर आ रही है। अपराधी जहाँ ताबड़तोड़ नई नई घटनाओं को अंजाम देते जा रहे है वही पुलिस उनके पीछे हाँफती नजर आ रही है। नगर से लेकर गावों तक बदमाशों की ही दहशत कायम है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से लेकर रास्ते तक बदमाशों के राडार पर है ।लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से बेल्हा के व्यापारी सहम से गये हैं। बदमाशों पर नकेल कसने में पुलिस पूरी तरह फिसड्डी साबित हो रही है। यह अलग बात है कि नवागत पुलिस कप्तान अपनी टीम के साथ बदमाशों पर लगाम लगाने की कोशिश में लगे हुए है किंतु अभी तक असफलता ही मिली है। मंगलवार और बुधवार के दिन भी बेल्हावासियों के लिए अच्छा नही रहा। मंगलवार की रात लगभग आठ बजे आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के ढाँढर कल्लू चैराहे पर बदमाशों ने तमंचा सटाकर ट्रैक्टर एजेंसी के एजेंट और कोटेदार को लूट लिया। इसी तरह बुधवार को पट्टी के ही मंगरौरा बाजार में फॉर्च्यूनर गाड़ी से कैश का बैग लेकर उतरे राइस मिल संचालक से बाइक सवार असलहाधारी बदमाश बैग छीनकर फरार हो गए।

लूट के दौरान बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी किये। पीड़ित के अनुसार बैग में लगभग 15 लाख 90 हजार रुपये थे ।दिन दहाड़े लूट की दो बड़ी घटनाओं का खुलासा पुलिस नही कर सकी थी कि दो अन्य बड़ी घटनाओं ने कानून व्यवस्था को ही कटघरे में खड़ा कर दिया ।नगर व पट्टी की लूट ने पुलिसिया कार्य शैली को पहले ही कटघरे में खड़ा कर दिया था,मंगरौरा व आसपुर देवसरा की घटना ने बचा खुचा भरोसा भी तोड़ दिया ।बतादें की नगर के श्याम विहारी गली व पट्टी के सरार्फा व्यवसायी की लूट से जिले के व्यवसायी टूट चुके थे ।बुधवार को मंगरौरा में फॉर्च्यूनर गाड़ी से कैश बैग लूटकर बदमाशो ने सुरक्षा व्यवस्था की हवा ही निकाल दी ।जिले में बदमाश जिस तरह पुलिस के सामने चुनौती पेश कर रहे है उसे देखकर लगता है कि उन्हें कानून का जरा भी खौफ नही रह गया।

राइस मिल संचालक से हुई 15 लाख से अधिक की लूट

प्रतापगढ़। फॉर्च्यूनर गाड़ी से कैश का बैग लेकर उतरे राइस मील के संचालक से बदमाश बैग लूटकर के भाग निकले। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद कार्यवाही का आश्वासन दिया। मामलाकंधई थाना क्षेत्र के मंगरौरा बाजार का है। मंगरौरा बाजार में अमरजीत चैरसिया की राइस मील है ।बताया जाता है कि अमरजीत बुधवार को फार्च्यूनर गाड़ी से कैश बैग लेकर उत्तर रहे थे, इसी दौरान बाइक से पहुंचे बदमाशों ने तमंचा सटाकर बैग लूट लिया ।बाजार के लोग दौड़े तो बदमाश फायरिंग करते हुए मौके से भाग निकले ।घटना की जानकारी मिलने के बाद कंधई पुलिस के साथ साथ पुलिस अधीक्षक,अपर पुलिस अधीक्षक,क्षेत्राधिकारी पट्टी भी मौके पर पर पहुच कर घटना की जानकारी लिये ।पीड़ित के अनुसार बैग में लगभग 15 लाख 90 हजार रुपये थे।

तमंचा सटाकर एजेंट व कोटेदार को लूटा

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के ढाढर कल्लू चैराहे पर बदमाशों ने तमंचा सटाकर ट्रैक्टर एजेंसी केएजेंट और कोटेदार को लूट लिया। पीड़ितों ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।कंधई थाना क्षेत्र के सहसपुर निवासी चंद्रशेखर तिवारी ट्रैक्टर एजेंसी पर एजेंट हैं। मंगलवार रात रात आठ बजे वह ढांढर से पट्टी वापस आ रहे थे। कल्लू नगर चैराहे पर उनके परिचित कोटेदार विश्वनाथ वर्मा उन्हें मिल गए। दोनों लोग आपस में बात कर रहे थे। इस बीच तीन नकाबपोश बदमाश बाइक से पहुंचे। चंद्रशेखर को तमंचा सटा दिया और जेब से 35 सौ रुपये व मोबाइल फोन फोन छीनलिया। बगल में खड़े कोटेदार का भी मोबाइल फोन एवं साढ़े चार हजार रुपये लूटकर बदमाश फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना आसपुर देवसरा पुलिस को दी। पीड़ित ने इस मामले में आसपुर देवसरा थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

तमंचासटाकर एजेंट व कोटेदार को लूटा

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के ढाढर कल्लू चैराहे पर बदमाशों ने तमंचा सटाकर ट्रैक्टर एजेंसी केएजेंट और कोटेदार को लूट लिया। पीड़ितों ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।कंधई थाना क्षेत्र के सहसपुर निवासी चंद्रशेखर तिवारी ट्रैक्टर एजेंसी पर एजेंट हैं। मंगलवार रात रात आठ बजे वह ढांढर से पट्टी वापस आ रहे थे। कल्लू नगर चैराहे पर उनके परिचित कोटेदार विश्वनाथ वर्मा उन्हें मिल गए। दोनों लोग आपस में बात कर रहे थे। इस बीच तीन नकाबपोश बदमाश बाइक से पहुंचे। चंद्रशेखर को तमंचा सटा दिया और जेब से 35 सौ रुपये व मोबाइल फोन फोन छीनलिया। बगल में खड़े कोटेदार का भी मोबाइल फोन एवं साढ़े चार हजार रुपये लूटकर बदमाश फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना आसपुर देवसरा पुलिस को दी। पीड़ित ने इस मामले में आसपुर देवसरा थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कोटेदारों के यहां भी जमा होगा अब बकाया विद्युत बिल

चायल और मंझनपुर तहसील क्षेत्र के कोटेदारों को विद्युत अधिकारियों ने दी ट्रेनिंग

अब कोटेदार बिजली का बिल जमा करेंगे की ट्रेनिंग देते

कौशाम्बी। विद्युत उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है अब उन्हें विद्युत विभाग के भीड़ में खड़े होकर बकाया विद्युत बिल जमा करने से बचने का रास्ता विभाग ने आसान कर दिया है अब गांव गांव राशन वितरण करने वाले कोटेदार को बिधुत बिल जमा करने की ट्रेनिंग दे दी गई है और उन्हें विद्युत उपभोक्ताओं के विद्युत बकाया बिल को जमा करने की अनुमति विभाग ने दे दी है मंझनपुर और चायल तहसील क्षेत्र में एक सप्ताह लगातार कोटेदारों को ट्रेनिंग देकर विद्युत बिल जमा करने के तरीके बताए गए हैं जल्द ही सिराथू तहसील क्षेत्र के भी कोटेदारों को ट्रेनिंग दे दी जाएगी बिजली उपभोक्ताओं के बकाया बिलों को कोटेदार की दुकान में जाकर उपभोक्ता जमा कर सकते हैं अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड चायल राजेश कुमार मौर्या ने बताया कि कोटेदारों को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग द्वारा कमीशन भी दिया जा रहा है और साथ-साथ जिन उपभोक्ताओं के विद्युत बिलों में गड़बड़ी है कोटेदारों की सूचना पर गांव में बिधुत कैंप लगाकर विभाग द्वारा विद्युत बिल सुधार कर दिया जाएगा जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और विभाग का बकाया भी जमा होगा उन्होंने कहा कि कोटेदारों के उत्साह वर्धन का भरसक प्रयास किया जाएगा कोटेदारों को ट्रेनिंग देने के समय ई पास मशीन के नोडल अफसर मौजूद रहे और उन्हें ट्रेनिंग दी है ट्रेनिंग के समय जिला पूर्ति अधिकारी अमित कुमार तिवारी पूर्ति निरीक्षक रेनू द्विवेदी सत्येंद्र राय निखिल कुमार प्रवीण कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे उक्त जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी अमित कुमार तिवारी ने दी है।

डीएम ने आपरेशन कायाकल्प, जिला अनुश्रवण समिति और जिला टास्क फोर्स की समीक्षा की

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायंकाल कलेक्ट्रेट के सभागार में विभागीय कार्यक्रम आपरेशन कायाकल्प, जिला अनुश्रवण समिति और जिला टास्क फोर्स की बैठक की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद स्तर पर आपरेशन कायाकल्प के मॉनीटरिंग हेतु व्हाट्सएप ग्रुप संचालित किया जाये जिसमें जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला समन्वयक मनरेगा, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत, अधिशासी अभियन्ता सहित अन्य अधिकारीध्सदस्य को ग्रुप से जोड़ा जाये और प्रत्येक कायाकल्प की सूचना से प्रतिदिन अवगत कराया जाये। जिलाधिकारी ने जनपद में कुल 581 जर्जर विद्यालयों के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता (ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, लोक निर्माण विभाग, लघु सिंचाई विभाग) के समस्त समिति को निर्देशित किया गया कि जनपद में सभी परिषदीय प्राथमिकध्उच्च प्राथमिक विद्यालयों के जर्जर भवनों का चिन्हांकन एवं मूल्यांकन और इनके अतिरिक्त मेजर रिपेयर योग्य भवनों का मूल्यांकन कर सम्पूर्ण विवरण के साथ 15 दिन के भीतर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराये जिससे ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पूर्ण की जाये। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि इसकी समीक्षा हेतु 15 दिवस पर बैठक आयोजित की जाये, यह कार्य महत्वपूर्ण है, चयन समिति द्वारा किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। जनपद में संचालित परिषदीय प्राथमिकध्उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्युत संयोजन की असंतोषजनक प्रगति रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि विद्युत विभाग अपने स्तर से सभी विद्यालयों का सत्यापन 15 कार्य दिवस के भीतर पूर्ण करा कर बताया जाये कि कितने विद्यालयों में विद्युत संयोजन किया गया और विद्यालय में विद्युतीकरण के सम्बन्ध में विद्यालय के कार्यरत हेडमास्टर से लिखित रूप में सूचना प्राप्त करें। उन्होने यह भी निर्देशित किया कि जनपद के समस्त परिषदीय प्राथमिकध्उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के नाम पर कनेक्शन कर विद्यालय में विद्युत मीटर लगाया जाये।

समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी

बैठक में जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि शहरी क्षेत्रों में संचालित विद्यालयों में चहरदीवारी, शौचालय में नल जल आपूर्ति तथा हैण्डपम्प की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करा लिया जाये।